

प्रेषक,

वी०पी० गुप्ता

अपर सचिव

उत्तरांचल शासन,

सेवा में

मुख्य वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तरांचल, देहरादून,

संख्या-2864/एक्स-2-2006-12(11)/2005 टी०सी०

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 17 जून, 2006

विषय:- वन मोटर गाड़ों के सुवृदीकरण के संबंध में अनुदान सं०-27 में राज्य सेक्टर- आयोजनागत पूंजीगत पक्ष में प्रशासनिक स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-वि.1069/8-1 (सं०), दिनांक 23मई, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत शासन को उपलब्ध कराये गये वकरपुर से तेजापानी वन मोटर मार्ग के डी०पी०आर०/अनुमति रु० 55,42,000/- (रु० पच्चीस लाख ब्यासिस हजार मात्र) के रापेश टी०ए०सी० वित्त विभाग द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु०43,65,000/- (रु० तीतालीस लाख पैंसठ हजार मात्र) की धनराशि का व्यय गत वित्तीय वर्ष 2005-06 में शासनादेश संख्या-2462/वस-2-2005-12(11)/2005, दिनांक 05 सितम्बर, 2005 एवं शासनादेश संख्या-1549/वस-2-2005-12(11)/2005, दिनांक 17 मार्च, 2006 द्वारा अनुमति प्रदान करने से किसे जाने का प्रशासनिक/ वित्तीय अनुमोदन श्री राज्यपाल महोदय विमललिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं।

1. आगमन में उल्लिखित दलों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित करने को तथा जो दरें शिहदुल ऑफ़ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, को स्वीकृति निवेदानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा. तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।
2. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/समाप्ति मण्डित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राथमिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, वित्त प्राधिकृत स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय स्वीकृत न किया जाय।
4. एक नुसत प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन मण्डित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
5. कार्य कराने से पूर्व अनुरक्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दस्त-विशेषियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
6. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-भौतिक निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें. निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
7. आगमन में जिन नदों हेतु जो रशि स्वीकृत की गयी हैं, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक नद का दूसरी नद में व्यय कदापि न किया जाय।
8. निर्माण सामग्री को प्रयोजन में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

9. जीपीओ ड्यूटी कार्ड-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पन्नित करवा होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण व करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

10. निरन्धयता के सम्बन्ध में विधियों का कड़ाई से पालन किया जाय।

11. उपर धनराशि का समायोजन एवं व्यय पूर्व में स्वीकृत शासनादेश दिनांक 03 सितम्बर, 2005 एवं दिनांक 17 मार्च, 2006 ने दी गयी लोकृति में किया जायेगा।

2. से आदेश वित्त विभाग की असाहक्रीय संख्या-171/XXVII(4)/2006 दिनांक 14 जून, 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जाटे किये जा रहे हैं।

महदीव

(बीपीओ गुप्ता)

अपर सचिव

संख्या-2864/एम्स-2-2006, महदीविका,

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाई एवं अपराध कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महासंचालक/संचालक एवं संचालक पंक्ति, उत्तरांचल, ओवरलैपिंग सेंटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. प्रमुख वन संचालक, उत्तरांचल, देहरादून.
3. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन, देहरादून.
4. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तरांचल शासन, देहरादून.
5. निजी सचिव, माननीय मुख्य मंत्री जी, उत्तरांचल शासन.
6. निजी सचिव, भा0 वन मंत्री जी, उत्तरांचल, विधान भवन, देहरादून.
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन.
8. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन.
9. आदुक्त, कुलार्थ सचिव/सिवाधिकारी सचिव.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त संचालक, देहरादून.
11. सचिव/सचिव/मुख्य/सचिव कोषाधिकारी, उत्तरांचल.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तरांचल सचिवालय, देहरादून.
13. उपर धनराशि का समायोजन एवं वसूल, सचिवालय, देहरादून.
14. बी पीओ पाण्डेय, उप महाप्रबन्धक, ईपीओआई, देहरादून को इस आशय के साथ प्रेषित कि किसी भी कार्य दिवस में शासन में सम्पर्क कर प्रश्नगत मार्गों के संशोधित आगमन/अवसित लागत के विवरण प्राप्त कर ले.
15. कार्य प्रारम्भ (सि).

(बीपीओ गुप्ता)

अपर सचिव

28/6/06

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,

सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,

समाज कल्याण, उत्तरांचल,

हल्द्वानी (नैनीताल)।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून : 17 जून, 2008 -

विषय: वृद्धावस्था/राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, निराश्रित विधवा भरण पोषण अनुदान एवं विकलांग भरण पोषण अनुदान योजनान्तर्गत दरों में वृद्धि के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 5456/स.क./प्रस्ताव-पेंशन/2005-06 दिनांक 7 मार्च, 2006 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वृद्धावस्था/राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, निराश्रित विधवा भरण पोषण अनुदान एवं विकलांग भरण पोषण अनुदान योजनान्तर्गत वर्तमान दर रु. 250/- प्रति लाभार्थी प्रतिमाह में वृद्धि करते हुए रु. 400/- प्रति लाभार्थी प्रतिमाह किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- उक्तानुसार बढ़ाई गई दरें दिनांक 13 अप्रैल, 2006 से प्रवृत्त होंगी।
- राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत उक्त धनराशि रु. 400/- में रु. 200/- का केन्दांश सम्मिलित है।
- उक्त योजनाओं के अन्तर्गत दरों के निर्धारण के संबंध में पूर्ववर्ती शासनादेश संख्या 336 / XVII(1)-2 / 2005-01(10) / 2005 दिनांक 30.7.2005 को एतद्वारा अतिक्रमित समझा जाएगा।
- यह आदेश वित्त विभाग के अक्षराकीय संख्या-250/XXVII(3)/2006 दिनांक 02 जून, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)

- सचिव।

संख्या : 459(1) / XVII(1)-2 / 2006 तद्विनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, महामहिम राज्यपाल, उत्तरांचल।
2. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
3. महालेखकार, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून।
4. आयुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, नैनीताल/पौड़ी।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
6. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरांचल।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
9. समस्त रिक्त कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
10. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तरांचल।
11. निम्न अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(स्नेहलता अग्रवाल) 17/6/08
अपर सचिव।